

DPN 6485

विभूति धारण VIBHŪTI DHĀRAṆA

Title :

Run. No. 7210

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि / Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

नेपालमा छि नि १२/१२
new direction

Size in cms. 22.5 x 8.3

Extant

Folios

21

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya^ssaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

x

↓

इति विभूति धारण ॥

0

5



0

cm.

5

10

15

20

अर्चया वीकशाय उजाकि प्रचलतय ॥ उजल पाण सनायन म॥ धयाद वत मचि
नया उ पूजा या या ॥ ऐं ह्रीं श्रीं ह्रीं पापू ॥ धयाद उम अर्धा तया उ पूजा या या ॥ का ह्रीं ह्रीं
ह्रीं पापू ॥ लखतय ॥ ह्रीं ॥ वीध स्वानतय ॥ ॐ ॥ अंकुश मूडाल तीर्थ आवाहन याय-कौंग गगन
ति ॥ ध्वल खन हसि महाय ॥ रुद्र ॥ ॥ सलायिया तवलिया त अर्घ पाण खया त ॥ ध-
उत माल क अर्धया लखन चोय ॥ सलायिया त आसन पूजा ॥ ऐं ह्रीं आधान मक्या दिव
नमश्च ॥ ऐं पद्मासन पापू ॥ ऐं पद्मासन पापू ॥ ऐं कमलासन पापू ॥ ऐं कर्किकासन पापू



कासनपापू। उँप० पुनासनपापू॥ ॥ वलियाता। उँप० उधमलाल।
अर्धपापूयाता। उँप० पुनासनपापू॥ ॥ वलियाता। उँप० उधमलाल।

अथ पाठ्यात् ॥ नेत्र उ० ४ पो० ५ सन पा पू ॥ थडात ॥ नेत्र उ० ४ पो० ५ सन पा पू ॥ जाकि क



या आ ज अ लि अ न द ड डान चा सका सतिन ॥ जे डुं जू काय हद् ॥ गिन ल्का
नयाय ॥ ख अ स ॥ जे गुं गु न्वा नमः ॥ ज अ स ॥ जे गं ग ल्म य नमः ॥ त्पु स ॥
ह ९ स ९ श्री नवात्मन्वनाय नमः ॥ ॥ व ज मू क ट स ड ॥ स्वा न म ति

चायाडाअडाअवडाशडाअवडाशडाहलप॥ उहहहवडाप
जनखाहा॥ ॥ अंगुलाडाअलाडात्रिपचीननमिराआदि



जिगुलि दानंतिनाडायाभयाम॥ ॐ चलमकलकलमचल कीं हूं हूं हूं स्वाहा॥ प्रालयामवि
धि॥ हंत॥ ध्वजमकुठचानवयानाडाआभनसचादकासर्वपकोलपपतिपलपृथ्वी
स्नानहलसर्वमहंसदधुसलंधराचादआभनचक्रयामनिसचादजिकालयादधुसपल
स्नानयासकाध्वजिकिधदकाटिपर्वसायाधीदतकस्वचाकयास्वयंडुलिंगहिनाडादक
चादकासर्वध्वजचादमूलविनूपकल्ललिन॥ मानयानाडापृथ्वीनापथतहयाडालिंगमू
लसचादनायूठावर्षषुपनिपलवैतमैयनैलध्वजदधुसर्व - - - लूयाडाचादल
र॥ गस्कानस्वाधिम्यानचक्रसहयाडाधननंस्वाधिम्यानचक्रनापीतहसचाका

विश्या ३

कायाडाभिनसचाठपनमभिवानन्दगुणुलिनीडासयागलाडा
 नृतनथडाभनीनदकीउत्पदिशडाहलप॥३२॥ ॥साहं॥भिनसचाठगुण्या
 कुलुलिनीलिकयाडामतपूमीमहामाहाडाचक्रसंतयध्याकनआकाशसृष्टि
 यानाडाकं०सतयध्वर्धवायुनगलअग्निनदूसजललिंगमूलसपृथ्वीमूलाधान
 संतयाडाकुलुलिनीथडाथतसंतयाडाफापायामनयादहनाडाशयाडापनमभि
 वानन्दगुणुलिनीडासंथागनउत्पदिशडागुदिव्यदहनाडाशडानदवतापूजा
 पायजाग्वशनाधकलप॥धनपालायामविधि॥हाहालप॥अस्यथानवाधक

कूटमलनाहस्य॥भालस॥अंसंथाज्ञातनमस॥अतुस॥उक्काकन्दसनम॥
 नगल॥अनिवात्मधनकुकिकादवतायेनम॥गुध॥हवीजायनम॥पालीस॥स
 नकायनम॥सवगिमी॥नेंकोथी॥कुंकोकीलकायनम॥हाहालप॥उकिमुकिमि
 धर्धविनिथाग॥॥वीथकायाडाहाहातसवय॥उंजसुयंरु॥कंजगुवासीन
 म॥कूंरुन॥सिस्वाहा॥ल्वेमध्यमायावेधद॥नंजनामिकायांकूं॥यंकनिषाया
 वाबद॥उंकनतनपुष्टायांरु॥॥धनकनत्यास॥कंरुदयोयनम॥कूंभिने
 सखाहा॥ल्वेभिखायेवधद॥नंकववायद॥यंनकायायवोमद॥कंजम

[illegible]

ॐ सोमेश्वरनी कृपया नमः॥६

श्रीरवस्थापनं ॥ मधुलपूजा ॥ क्रौञ्चभक्त्यादिष्टानमः ॥ मंत्रित्वेनसिद्धिः ॥ हृद् ॥ मं
 उलसतयाडापूजायाय ॥ मंत्रित्वेनसिद्धिः ॥ श्रीरवस्थापनं ॥ हृद् ॥ मंत्रित्वेनसिद्धिः ॥ पूजा
 याय ॥ अंसूर्यमधुलपूजायाय ॥ लीखतया ॥ क्रौञ्चभक्त्यादिष्टानमः ॥ पूजा ॥ दुःसा ममधुला
 यनमः ॥ अंसूर्यमधुलपूजायाय ॥ लीखतया ॥ क्रौञ्चभक्त्यादिष्टानमः ॥ पूजा ॥ दुःसा ममधुला
 लाष्टानमः ॥ क्रौञ्चभक्त्यादिष्टानमः ॥ चंदनाक्षतपुष्पंनमः ॥ धनूमूडा ॥ वौ ॥ श्रीरवस्थापनं ॥ मं ॥ ताल
 यदिग्वन्धनं ॥ क्रौञ्चभक्त्यादिष्टानमः ॥ धनूमूडा ॥ वौ ॥ श्रीरवस्थापनं ॥ मं ॥ ताल

፲፱፻፳፰ ዓ.ም. ጥቅምት ፳፯ ቀን

सुगायत्रि नमो ॥ नमः

15
10
ॐ नमः ॥ ३ ॥ ॐ लक्ष्मीदेवी सहिताय वलिंगं गृह्णन् स्वाहा
सहिताय धीमहि तन्मा विष्णु ८ प्रवादया ॥ ॥ थडाखडा पूचलसगगवपू ॥ ॥ होस ८ ॥
दासिवाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ पार्वतीदेवी सहिताय वलिंगं गृह्णन् स्वाहा ॥ गायत्री ॥ ॐ तन्महम्म विष्णु
वाग्विष्णुदाय धीमहि तन्मा विष्णु ८ प्रवादया ॥ ॥ थकिर्सुतनेगलिंगपूजा ॥ ॐ होस ८ मृ. यू. ज
याय नमः ॥ ३ ॥ ॐ अमृतेश्वरी सहिताय वलिंगं गृह्णन् स्वाहा ॥ गायत्री ॥ ॐ अमृतीमय विष्णुहम
यू. कूयाय धीमहि तन्मा विष्णु ८ प्रवादया ॥ ॥ थतनगलिंग ॥ ॥ थकिर्सुतनगलिंगपूजा ॥ ॐ
अधानक्रौं थधानक्रौं धानधानतनक्रौं सर्वत ८ सर्वसर्व क्रौं होस ८ क्रौं रूद्रकृत्य ८ ॥

5
मिखानाथ महारेनवसदासिवाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ अधानेश्वरी सहिताय वलिंगं गृह्णन् स्वाहा ॥ गायत्री ॥
मिखानाथाय विष्णुहस्वकृन्दाय धीमहि तन्मा विष्णु ८ प्रवादया ॥ ॥ लिखानचाठपूचलसग
॥ ॥ पूजा ॥ ॐ क्रौं क्रौं होस ८ गंगाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ चंचलादेवी सहिताय वलिंगं गृह्णन् स्वाहा ॥ गायत्री ॥
ॐ नुकर्दद्याय विष्णुहवक्रुत्तयाय धीमहि तन्मा विष्णु ८ प्रवादया ॥ ॥ दथपूचलसदुर्ग
पूजा ॥ ॐ क्रौं दुर्गदधेनमः ॥ ॐ सदासिवाय वलिंगं ॥ गायत्री ॥ ॐ नानाय विष्णुह
काशाय धीमहि तन्मा विष्णु ८ प्रवादया ॥ ॥ धूपदीपने ८ ॥ ॥ जय ॥ ॐ क्रौं क्रौं होस ८
स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ क्रौं होस स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ हो स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ

हा ॥ ३ ॥ ॐ क्रीं स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ दं कर्पं गृहा ॥ स्वाहा ॥
 ॐ परं महाधूमि ॥ तभानि सर्वपापघ्नं प्रणमामि दिवा
 वाहन ॥ सभकना उकल्यालं पद्मनाला जनार्दन ॥ नमः शिवाय भक्त्याय ॥ तत्पुत्रयहंत
 वनिवदयामि चात्मानं लिंगातिः परमेश्वर ॥ विश्वेश्वरारात्रीराय विश्वरूपाय नमः ॥ सर्व
 विघ्नहर्त्रा सर्वभूतिनाममहं ॥ सर्वस्वरूप सर्वभूति सर्वभूति ॥ मन्त्रित ॥ तथैव सुहि
 मादविद्गर्गदविनमास्तुता ॥ लिङ्गाचनविधिस्तत्सर्वविधिपनि पूर्वमस्तु ॥ लिंगमूद्रा
 नमस्तुता ॥ मल्लयास्वानंकुर्य ॥ ॥ ध्वतर्पचायन पूजा ॥ सूर्यादिविष्णुमालसाधन ॥

॥ पञ्चपलि ॥ ॐ श्रीं क्रीं कलपुत्रवदकनाथाय वलिगृह्णतु स्वाहा ॥ ॐ श्रीं क्रीं क्रीं ॥
 कृष्णपालाय वलिगृह्णतु स्वाहा ॥ यी सर्वयागिनीयाय वलिगृह्णतु ॥ ॐ श्रीं क्रीं सिद्धिचामुल्लुय
 वलिगृह्णतु ॥ ॐ श्रीं गौं गौं गौं गौं ॥ स्तोत्रगल्लाय वलिगृह्णतु ॥ ॥ मूद्राकन ॥ रुद्रतर्जनी ॥ क्रीं दलु ॥
 ॐ यानि ३ क्रीं काश ४ मूंग ५ ध्वत मूद्राकन ॥ विन्दविय ॥ ॐ नमः श्रीनाथाय ॥ ॐ नमः
 श्रीसिद्धिनाथाय ॥ ॐ नमः श्रीकृष्णनाथाय ॥ कृपापू ॥ ॥ ध्वतर्पचवली ॥ ॥ धनकर्ममू
 द्रासस्वानतया ॥ अथ अंगलसदवगाभनयानां ॥ मूलाभनयानां ॥ अथ अंगलसदवगाभनयानां ॥
 जसनापलातका ॥ अंगलसदवगाभनयानां ॥ मूलाभनयानां ॥ अथ अंगलसदवगाभनयानां ॥

15
श्याठाविशातकाठाध्वक्रयाकनमतसमतच
आध्वस्वानसतयाआसलायीसतयरेजोप्रोभुं
आवाहनयायधातीनूपया॥धीसम्बर्जमलुलोकक्रमपदेनाह...
न्यायचउर्यजुलकुलगतेपचकवान्यषक॥चनान४पचकाध४पुननपिचउमस्तत्ता
मलुलनसंसुयनतस्मिनमधगुनवर्गनवंश्रीकुडर्ष॥॥धतवावाहनयानाउ
सलायीसक्रातिनूपरुदेवताएलपाओपूजा॥॥उं॥नूननकमलुलयादिवपापू॥
धनदानपूजा॥इधुसा॥आसनपूजाविद्वयाकृति॥॥उं॥हो॥हो॥हो॥हो॥गपालाय
पापू॥गठासा॥उं॥श्री॥जो॥कुलपूजवद्रकनाथधीपापू॥खठास॥उं॥गंगे॥गंगे॥गंगे॥

5
कलंगलधनधीपापू॥बलि॥मूडा॥दानया॥उस्वगुरुदक्षी॥सनकनाथदित्य॥धीपा
पू॥॥द्वयाआसनपूजा॥उं॥पद्मासनपापू॥उं॥वासनपापू॥॥ध्यान॥उं॥पद्मासन
वस्तुचदमवर्किल्लाचतखवर्कचमेहादीर्घसुबलदलसंयुत॥खवर्कपूर्ववर्कउदेदि
लकुषलभरित॥उरुनपीतवर्कस्योउरुद्वैतकनधित॥नकस्पददि॥धर्म
तमूकनभचव॥तद्वैदीतवर्कस्योत्पीतस्पदकुषललि॥॥नकमूरुनमित्याकृतद
र्धेयतमूरुमी॥अष्टादशउडीद्वैकवन्धाहान॥भक्ति
रुभक्तथा॥सूर्यकमलुल॥प्रसूतमनुरवेद

॥ॐ आदिश्यायनमः॥ ऊडाकाचला॥ ॐ चन्द्रायन

॥खडाचुत्या॥ ॐ प्रहं जनायनमः॥ खडाकाचला॥ ॐ वसु

नमः॥ वसुलीम॥ ॐ भीरुवतमः॥ वसुनंधु॥ ॐ पनमात्मननमः॥ सवंगि॥ लाहात

सिय अर्धवीय॥ ॐ हौं हौं सः सदा मिवाय अर्धनमः स्वाहा॥ ३॥ उपयाय॥ ॐ हौं हौं सः

स्वाहा॥ ॥ १० ॥ न्यासलीननासिय॥ इति विष्णुगधनर्त्त॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ध्रुव महाप्रवक्ष्ये कृणुते साहा

ॐ ॥ ॐ ॥ ध्रुव महाप्रवक्ष्ये कृणुते साहा

वज्रार्थसमध्वस्तं अस्मिन्निवर्तयन्ती ॥ १ ॥
रात्रौ ॥ १ ॥ शिववायुहनद्वीच- ॐ न्द्रविन्दुगतावह ॥ महा- ॥ त- ॥ ना
विद्या- निर्वर्त्तयदवदुर्ध्व ॥ अ- ॥ त- ॥ र- ॥ य- ॥ च- ॥ अ- ॥ वा- ॥ च- ॥ स- ॥ र- ॥ य- ॥ स- ॥ र- ॥ य- ॥ म- ॥ ह- ॥ र- ॥ य- ॥ त्रि ॥
गुण- ॥ शि- ॥ य- ॥ वि- ॥ ना- ॥ द- ॥ वि- ॥ अ- ॥ वा- ॥ च- ॥ य- ॥ क- ॥ र- ॥ चि- ॥ त् ॥ २ ॥ वज्रार्थमज्जधन- ॥ वि- ॥ य- ॥
द- ॥ ग- ॥ य- ॥ प- ॥ न- ॥ क- ॥ र- ॥ ॥ ना- ॥ द- ॥ वि- ॥ न्द्र- ॥ क- ॥ ला- ॥ प- ॥ त- ॥ नि- ॥ ४- ॥ प- ॥ द- ॥ अ- ॥ य- ॥ क- ॥ ला- ॥ म्बि- ॥ क- ॥ ॥ अ- ॥ न- ॥ का- ॥

नृधम्पवर्न- शिखी

10

देवा

इवेनम॥

७१

धानसवा रुक्मिणी नीचू गुलिचक्र दद्याना उथत हय ॥ थडा भीन सवा रुक्मिणी नाप लात का उ
 धप नि संयोग रुडा गु अमृत न माले निस्प पालि ती हाया उ दह पवि रुडा गु ल पा उ रुक्मिणी
 उ गु रुडा रु द म द या उ थ डा नू ग ल या प ल स्वा न या मू नी स त रु नू प रु या उ रु द व त वि श्व क ध
 क रु ल पा उ मूल न प्रा ध्या म ॥ मृ द्या दि क न ख ड म न्या स या य ॥ मूल म नु नू द व ता ध्या न या
 ना उ मान सा प वा न नू जा या य ॥ उप स्था ॥ ॥ प्रा त र्न मा मि रु ग तां पि त नौ च न धा म्ब रु ॥
 धी म त्प न धा मि क था र्न मा मि पा द र्प क रु ॥ ॥ ध र स्था रु या ना उ ॥ क र्प म र्प ने या
 य ॥ ॥ प्रा त ४ प्र रु ति सा या र्क सा या दि प्रा त न न

तव पूजनं ॥ धृत धून काठा ॥ अऊ पास मर्यय
चनित निस्वासा कुसात्मिकं स दूसा धिक म कविना ॥ १५२
हमदल कमल कांति कामध्वनि श्रेणी गुन पादुका ये समर्यया मिन भ ॥ ॥
धृत धून काठा ॥ हंस ॥ धृत रूपयानाठा ॥ ॥ पृथिया तन मस्का नयाय ॥ ॐ पृथि
ये नमः ॥ ॥ स्वास सायाठा पालि कुतिनाठा पिलाठा य ॥ ॥ धृत प्रात कृत्य वि
धानं ॥ ॥ अथ स्नान विधि ॥ ॥ दक्ष धावनं ॥ क्लीकामदवाय नमः ॥ ॥ गुरुवा
ल १२ ॥ तुतिला हात सिय ॥ रवाल सिय ॥ जाना ०० य ॥ ना सिय ॥ जे ० कौ ० अस्मत्

नवकायनमः॥ॐ कौं हंसधाताय पाणिमवकायनमः॥ ॥ॐ अथ न कौं
सर्वीसनद्वयाय नमः॥ॐ ध्यानदीव्यं (लामिनसंस्वाहा)॥ॐ ध्यानधानकुर
कौं कारिन निरवाये वोयट् ॥ॐ सर्वतः सर्व सर्वे के पिं गलाय कवचाय कौं ॥ॐ हंस
कौं जातिनूपाय नरुययाये वोयट् ॥ॐ नृद्वयं कुरुय पाण्डुयता मायभूला
यरुट् ॥ ॥ लखसुखिकाय ॥ॐ कलामूद्रानतीर्थ आवाहनयायो ॥ॐ कौं गंग
वज्रमूनेवेव ॥ गदावतिसनस्वीती ॥ नर्मदसिन्दूकावति ॥ कलसिंनसंनिधीरुव ॥
मत्स्यमूद्रानपूय ॥ॐ कौं कौं कौं कौं कौं ॥ सर्वानन

अथ १ वृं ॥ ध्यानतर्जनीयं मन्त्रः ॥ ॥ ॐ हंसदेवता ध्यानध्याना ॥

स्वाहा ॥ ॥ मूलमकुलमन ३ ॥ ॥ बालानाम
५ ॥ ललातदाय ॥ कुरुमाय रुट् ॥ दिग्वन्धनी ॥ रुट् १ ॥ ॥ ॐ नमः ॥ व ॥ गंग
मूद्राधधामालसहाय ॥ गायत्रीनध ३ ॥ ॥ कलामूद्राधमालसहाय मूलनध
३ ॥ ॥ लखजानां सिकल्प ॥ॐ अथ काव्यप (गंग) तपन्नस्य मम सकलपाप कृप
कामनार्थं श्रीसुखदवता प्रीतयति त्वस्तानमस्कृतिष्य ॥ ॥ माउ कृप ॥ गायत्री
नमाउ स्यानि मूद्राध लखनहायध ३ ॥ॐ निरवानाथय विप्रहस्वकृन्दायधी
महि ॥ तन्ना नृद्वय प्रचादयात् ॥ ॥ अर्थविय ॥ गायत्री वाना ॥ॐ निरवाना

15
10
अथ विष्णुस्वरूपं यदीमहि ॥ तन्नामूद्रं प्रवादयात कं कौ संधी सूर्य मूल
स्वायं विष्णुनाथ महा हेनवाय अर्धं नमः ॥ मूलनं विष्णु धु सो सुं मूं उं
दादित्यवर्णि न्ये नित्यं चेतन्यादिताये पीनवात्मन्वनयूताये श्री कृष्ण विष्णु
कादयो नमः ॥ ॥ गायत्री गायत्री ३ मूल गायत्री ३ ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम्
हाय ॥ रुद्र ॥ प्रकृत्य (धतिहिल) ॥ ॥ धेतस्तान विधि ॥ ॥ अथ विष्णुति स्तान् ॥
नां सिय उर्ध्वं ॥ गद्य गुप्ता मूल नमस्तु नवा द्वायाम उर्ध्वं ॥ अथादि न्यास ॥
जलपं ॥ ॐ अस्य रस्मिधान नमस्तु ॥ मां उ स ॥

5
तु स ॥ ॐ गायत्री कृत्स्नं नमः ॥ नूगल स ॥ ॐ कलाय अर्धं नमः ॥
स ॥ ॐ रस्मिधानं नमः ॥ सर्वज्ञ स ॥ ॐ मम माता (ध) रस्मिधानं (ध) विष्णु
ग ॥ न्यास ॥ ॐ मना मनाय अस्माय रुद्र ॥ ॐ कलाय अर्धं नमः ॥ ॐ वि
कर्षय गर्जनी त्वां स्वाहा ॥ ॐ वल विकल्पये मध्वसायी वषट् ॥ ॐ वल प्रथमे द
मनाय अनामिका त्वां द्री ॥ ॐ सर्वरुद्र दमनाय कनका त्वां वी सट् ॥ ॐ मना म
नाय कनका त्वां वी सट् ॥ ॥ ॐ कनाय रुद्राय नमः ॥ ॐ विकल्पय
मि नमः स्वाहा ॥ ॐ वल विकल्पये मध्वसायी वषट् ॥ ॐ वल प्रथमे दमनाय कवचाय

ॐ ॥ उं सर्वत्र नदमना यमवश्यायवोषट् ॥ उं मनामनाय अस्माय रुद्र ॥ रुद्र १०
 ॥ ॥ खड्गालाहा नसलीखनशिकानवाय ॥ विदितितय ॥ रुद्रधर्क ॥ लीखनहाय ॥ रुद्र
 धर्क ॥ कक्केपमुद्रानथाया उज्जपलप ॥ अं विदितितयानामानि वामदेवमदाभि
 वं नकावन्धव्यादिवि नकमानमधामदा ॥ अं सधोजाताय नमः ॥ अं वामदेवाय
 नमः ॥ अं अनायाय नमः ॥ अं तत्पुत्राय नमः ॥ अं वृषीभानाय नमः ॥ ॥ विदिति
 कायथवायदधुम अं गिकावाक अष्टापञ्चतुनमुचाया उः कक्केप

अथ सीमा ॥ उरु (अधन) ॥ उं उं उं उं वरुणदेवते ॥ ३ ॥ ना ॥ सय ॥ उं जाय
 यस्वाहा ॥ ३ ॥ उडा ला हा नया अंगुलापवी रुद्रदण्डानवधनयाय ॥ उं चलम
 लेकलमचले रुद्रस्वा ॥ ॥ रुमिथिया उतय ॥ उं लीटथिवे नमः ॥ ॥ लीख
 नउयके ॥ नं ॥ गणगुनमूलनमस्कान गालययदिवधनं ॥ प्राणायाम ॥ अधा
 नमृष्यादिकनधुक्क वक्रन्यासयाय ॥ ॥ कर्ममूद्रा लप्या उः लाहातीसली
 यतया उः नयाय ॥ नकदखा म्भनानका उज्जपलपवीतिनी ॥ हंसपमा स
 नावाला चतुर्वक्त्रा चतुर्भुजा ॥ अंगकमाला दक्रव वामद क मधुली ॥ वामिभ

[illegible]

थडा न सवाठपापदकमिलुडा ॥ ३॥ कासनपिकायाडा ॥ थडा ॥ ३॥
 पयात वृंयाय ॥ ३॥ ॥ लाहतासिय ॥ धनसूर्यम ॥ लसदडा ॥ या ॥ आनया ॥ नाठा ॥ ३॥
 ॥ गायत्रीनी ॥ ॐ निशानाथमहाहेनवाय अर्धनमस्वाहा ॥ ॐ ॥ कुलमार्त ॥ ३॥ महाहेनवाय
 अर्धनमस्वाहा ॥ ॐ ॥ ह ॥ स ॥ उयदादित्यवर्हिन्नेनित्य ॥ ३॥ ॥ दितायपीक ॥ ३॥ काद
 त्येपीनवात्मन्वनसहितार्थे अर्धनमस्वाहा ॥ ॥ गायत्रीवानाडा ॥ थडा ॥ मालस ॥ ३॥ ॥ सूर्या
 पस्मानयाय ॥ लाहतानियं ॥ त ॥ लपनकाडा ॥ निरालपन ॥ ॥ कवकन ॥ ॥ थयस्य ॥ दिव्यकन
 कलधिते ॥ ॥ समहवतु सुप्रीत ॥ पमहस्तादिवाकन ॥ ॥ आदित्यवर्हिन्नेनित्य ॥ ३॥ ॥ दिव्यवर्हिन्नेनित्य ॥ ३॥

चमिष्टानि च कनिषा

